2

# आधुनिक भारत के महान विचारक

डॉ. अमित कुमार
डॉ. अवध बिहारी लाल
डॉ. श्रुति कीर्ति रस्तोगी

Scanned with CamScanner

**ISBN** : 978-93-49755-85-7

© : Editor

**First Edition** : 2 January, 2026

**Price** : 790/-

**Published By** : Rachnakar Publishing House
D-18, Street No. -9, Jagatpuri Extn.
Shahdara, Delhi-110093
Mob. 99101343493

**Cover Design By** : Shashikant Singh

**Printed By** : **Kaushik Offset Printers**

**Composed By** : **Rajive Kumar Verma**

**Note** – For every article printed in the book, the author of the article concerned will be solely responsible, the editor and publisher of the book will not have any responsibility.

---

Aadhunik Bharat Ke mahan Vicharak (Vol. - 2)

By Dr. Amit Kumar, Dr. Awadh Bihari Lal,
Dr. Shruti Kriti Rastogi

**Rs. 790.00**

Scanned with CamScanner

# Contents


1. Jiddu Krishnamurti — 11
   *Dr. Deep Lata Gupta* — 19
2. Jyotirao Phule — 26
   *Nitin Pandey*
   *Dr. Kavya Dube*
3. Ishwarchandra Vidyasagar — 36
   *Kamalini Roy*
4. APJ Abdul Kalam — 52
   *Dr. Neha Sharma*
5. Mahatma Gandhi — 57
   *Tamanna Chaudhary*
6. E.V. Ramasamy — 67
   *Vivek Singh*
7. सावित्री बाई फुले — 75
   *डॉ. अंजू सिंह*
   *डॉ. स्मिता श्रीवास्तव*
8. डॉ. एनी बेसेंट — 88
   *Shreshth Gupta*
   *Pranav*
   *Amrita Yadav*
9. डॉ. भीमराव अंबेडकर — 98
   *Dr. Sarita Bharti*
   *Dr. Deepshikha Singh*
10. स्वामी विवेकानंद — 106
    *डॉ. सलिला सिंह*
11. महर्षि अरविन्द घोष
    *डॉ. प्रशान्त मिश्रा*
12. इरोड वेंकटप्पा रामासामी (पेरियार) — 114
    *डॉ. प्रियंका*
13. गिजुभाई बधेका — 139
    *अमिता शर्मा*
14. महर्षि धोंडो केशव कर्वे — 149
    *Shreshth Gupta*
    *Pranav*
    *Amrita Yadav*
15. महामना पं. मदन मोहन मालवीय — 159
    *डॉ. हरीश कुमार पाण्डेय*
16. डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन — 170
    *नेहा सक्सेना*
17. महात्मा ज्योतिराव फुले — 179
    *विजय कुमार*
    *नीरज कुमार द्विवेदी*
18. हंसा मेहता — 190
    *अशोक कुमार*
19. गोपाल कृष्ण गोखले — 203
    *Shreshth Gupta*
    *Pranav*
    *Amrita Yadav*
20. आचार्य विनोबा भावे — 214
    *डॉ. ललित कुमार*
21. डॉ. राम मनोहर लोहिया — 226
    *Shreshth Gupta*
    *Pranav*
    *Amrita Yadav*


Scanned with CamScanner

22. स्वामी श्रद्धानन्द 243
*पुष्पेंद्र कुमार ठाकुर*

23. जिद्दू कृष्णमूर्ति 249
*रिमला*

24. मौलाना अबुल कलाम आजाद 258
*Shreshth Gupta*
*Pranav*
*Amrita Yadav*

25. स्वामी दयानन्द सरस्वती 275
*डॉ. पूनम देवी*

26. लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक 284
*Shreshth Gupta*
*Pranav*
*Amrita Yadav*

27. गिजूभाई बधेका 299
*Devanshu Singh*

Contributers 308

Scanned with CamScanner

# सावित्री बाई फुले


## डॉ. अंजू सिंह

## डॉ. स्मिता श्रीवास्तव


**प्रस्तावना**

प्राचीन भारत में नारी का स्थान समाज में महत्त्वपूर्ण और सम्मानित था। यहाँ कुछ मुख्य बिंदुओं में नारी की भूमिका का विवरण दिया गया है। प्राचीन भारतीय समाज में नारी को उच्च स्थान प्राप्त था। उन्हें शिक्षित करने का महत्त्व दिया गया और कई महिलाएँ विदुषी मानी जाती थीं। अनेक कवियों और लेखकों ने नारी के गुणों और शक्तियों का वर्णन किया। उदाहरण के लिए, सावित्री, दमयन्ती और गार्गी जैसी पात्रों ने अपने ज्ञान और साहस से समाज में पहचान बनाई। नारी को धार्मिक अनुष्ठानों में महत्त्वपूर्ण माना जाता था। वे परिवार की धार्मिक और आध्यात्मिक संरक्षक थीं, और उनके बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान अधूरा माना जाता था।

भारत में स्त्री शिक्षा का इतिहास लंबा और संघर्षों से भरा हुआ है। इस यात्रा में अनेक समाज सुधारकों, विचारकों और नेताओं ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस इतिहास को कुछ मुख्य चरणों में देखते हैं। प्राचीन भारत में स्त्रियों को शिक्षा का अधिकार प्राप्त था। ऋग्वेद और उपनिषदों में कई विदुषी महिलाओं जैसे गार्गी, मैत्रेयी और लोपामुद्रा का उल्लेख मिलता है, जिन्होंने ज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाई। महिलाएँ वेदों और शास्त्रों का अध्ययन करती थीं, और समाज में सम्मानित स्थान प्राप्त करती थीं। मध्यकालीन भारत में स्त्री शिक्षा की स्थिति कमजोर हो गई। विदेशी आक्रमणों, पितृसत्तात्मक विचारधारा, और धार्मिक कट्टरता के कारण महिलाओं की शिक्षा पर पाबंदियाँ लगाई गईं। इस समय महिलाओं को घरेलू कार्यों तक सीमित कर दिया गया और उनकी शिक्षा को अनदेखा किया गया। बाल-विवाह,



Scanned with CamScanner

**समानता की राह पर तुमने बढ़ाया कदम,**
**तुम्हारी अनुगूँज से लहराया देश का परचम।"**

इस प्रकार, सावित्री बाई फुले का जीवन और उनकी उपलब्धियाँ हमें सिखाती हैं कि शिक्षा और समानता का संघर्ष अनवरत है, और हर व्यक्ति को इसके लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

## संदर्भ ग्रंथ सूची


- कंडुकुरी, दिव्या (11 जनवरी, 2019), सावित्री बाई फुले का जीवन और समय, मिंट, 19 अप्रैल, 2019 को प्राप्त किया।
- सावित्री फुलेः भारत की पहली महिला शिक्षक, हिंदुस्तान टाइम्स, 8 नवम्बर 2019।
- मलिक-गौरे, आर्चना, उपनिवेशी भारत में नारीवादी दार्शनिक विचार।
- सावित्री बाई फुले कौन थीं? भारत की पहली महिला शिक्षक को याद करते हुए। द फाइनेंशियल एक्सप्रेस, 3 जनवरी 2018, 8 मार्च 2018 को प्राप्त किया।
- गूगल डूडल ने समाज सुधारक सावित्री बाई फुले को श्रद्धांजलि दी, द हिन्दू, 3 जनवरी 2017।
- मणि, बी.आर. और सरदार, पी (संपादित), 2008, एक भुला हुआ मुक्तिदाताः सावित्री बाई फुले का जीवन और संघर्ष, माउंटेन पीकः न्यू दिल्ली।
- राव, अनुपमा (संपादित)। 2003, लिंग और जाति (श्रंखला), समकालीन नारीवाद के मुद्दे, काली फॉर वुमन, न्यू दिल्ली।
- कोठारी, विश्वास (8 जुलाई 2014), पुणे विश्वविद्यालय का नाम सावित्री बाई फुले के नाम पर रखा जाएगा, टाइम्स ऑफ इंडिया, 10 जुलाई 2014 को प्राप्त किया।




Scanned with CamScanner

**डॉ. अवध बिहारी लाल,** सम्प्रति बी.एड. विभाग, मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटपार रानी, देवरिया समबद्ध दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में प्रभारी बी.एड. विभाग के पद पर अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं तथा इस क्षेत्र में आपका लगभग 08 वर्षों का कार्यानुभव है। आपके 10 से अधिक शोध-पत्र राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय शोध-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं साथ ही विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमीनार व संगोष्ठियों में प्रस्तुत किए हैं। विभिन्न विद्वानों के द्वारा प्रकाशित पुस्तकों मे लगभग 10 चैप्टर प्रकाशित हो चुके हैं। शिक्षण तकनीकी, शिक्षा प्रशासन, प्रबंधन व नीति-निर्माण, शिक्षा-दर्शन, शैक्षिक समाजशास्त्र आपके विशेषज्ञता के क्षेत्र हैं। शोध निर्देशन के साथ ही आप शिक्षण व लेखन कार्य में निरंतर रत हैं।

**सम्पर्क :** मो. 9807924991
**Email :** avadhbihari85@gmail.com

**डॉ. श्रुति कीर्ति** रस्तोगी एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं शोधकर्ता हैं, जो भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) की पोस्ट-डॉक्टरल फेलो के रूप में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के शिक्षा विभाग से संबद्ध हैं। आपका शोध-केन्द्र समावेशी शिक्षा, NEP-2020, शैक्षिक अनुसंधान, तथा मनोविज्ञान है। आपके पास लगभग 10 वर्षों का अध्यापन एवं शोध अनुभव है, जिसमें बीबीएयू, वी.बी.एस.एम. डिग्री कॉलेज और आर्या कन्या इंटर कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में सेवा शामिल है। आपने शिक्षक-प्रशिक्षण, शैक्षिक नीति विश्लेषण तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शिक्षण नवाचारों पर प्रभावशाली कार्य किया है। आपके 22 शोध-पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित जर्नलों में प्रकाशित हो चुके हैं। आपने 30 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलनों में शोध प्रस्तुतियाँ दी हैं। आपकी दो पुस्तकें प्रकाशित हैं। "National Education Policy 2020 in the Context of Inclusive Education: Observation System" पेटेंट आवेदन के अंतर्गत है। आपको Academic Excellence Award (2024), Best Paper Award, तथा Best Oral Presentation Award (International Conference) से सम्मानित किया जा चुका है। वर्तमान में आप टी.एस. मिश्रा विश्वविद्यालय, लखनऊ में मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता के रूप में कार्यरत हैं।

**रचनाकार पब्लिशिंग हाउस**
**डी-18, गली नं. 9 जगतपुरी विस्तार**
**शाहदरा, दिल्ली-110093**
**मो. 9910143493**

ISBN 978-93-49755-85-7

Scanned with CamScanner